जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

16 मई 2023

प्रेस विज्ञप्ति

फ़ॉरेस्ट इकॉनमी को बूस्ट करने के लिए जामिया और बीआईपीपी, आईएसबी का संयुक्त कार्यक्रम शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का प्रतिष्ठित एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (AJKMCRC) और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB) के प्रसिद्ध भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी (BIPP) ने वनवासियों और स्थानीय समुदाय के जीवन को संवारने के लिए आपसी सहयोग की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने 2023 में एमए डेवलपमेंट कम्युनिकेशन के पहले कॉहोर्ट से यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया शुरू की।

यह अनूठी संयुक्त पहल दो प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अकादमिक और ज्ञानात्मक सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास है, जिसमें बड़े पैमाने पर एक महत्वपूर्ण परियोजना को लागू करने पर ध्यान दिया जाता है। यह परियोजना सामुदायिक फ़ॉरेस्ट संसाधन अधिकार (सीएफआर) और वीमेन लीड एंटरप्राइजेज पर विशेष जोर देने के साथ एक स्केलेबल और टिकाऊ फ़ॉरेस्ट इकॉनमी और आजीविका से सबंधित है।

जामिया की माननीय वाइस चांसलर प्रो. नजमा अख्तर ने 15 मई, 2023 को जामिया के मीर अनीस हॉल में एमए डेवलपमेंट कम्युनिकेशन कॉहोर्ट के ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन किया। कुलपति ने इस पहल की सराहना की, छात्रों को परिवर्तन का अग्रदूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया और अवसर और जीविका के स्थान के रूप में वनों की भूमिका को महसूस किया। आईएसबी-बीआईपीपी से चर्चा का नेतृत्व करते हुए बीआईपीपी के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर अश्विनी छत्रे ने इस सहयोग के पीछे दूरदर्शी अवधारणा का खुलासा किया। प्रो दानिश इकबाल इस महत्वाकांक्षी सहयोग के समन्वयक हैं।

AJKMCRC और ISB-BIPP के बीच यह सहयोग शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के रोमांचक नए मार्ग प्रशस्त करता है। संकाय विशेषज्ञता, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं और उद्योग साझेदारी सहित संसाधनों की एक विविध श्रेणी तक एक्सेस से छात्रों को लाभ प्राप्त होगा। यह व्यापक दृष्टिकोण उन्हें फ़ॉरेस्ट अर्थव्यवस्था की गहरी समझ हासिल करने और विभिन्न स्तरों पर हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए प्रभावी संचार रणनीति विकसित करने में सक्षम बनाएगा।

6-दिवसीय कार्यशाला के बाद, एमए डेवलपमेंट कम्युनिकेशन प्रोग्राम के छात्र मल्कानगिरी फ़ॉरेस्ट क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी क्षेत्र के अनुभव की शुरुआत करेंगे।

आईएसबी विशेषज्ञों के साथ, वे फ़ॉरेस्ट अधिकारों और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित व्यापक शोध, वृत्तचित्र निर्माण, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और हिमायत अभियानों में शामिल होंगे। एक सप्ताह के बाद, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के फैकल्टी सदस्य भी इस प्रयास में छात्रों के साथ जुड़ेंगे और इस महत्वपूर्ण पहल में सहयोगी प्रयासों को और बढ़ाएंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विकास संचार में भविष्य के लीडर्स को तैयार करना है, उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। कार्यशाला के दौरान, छात्र विविध विषयों पर काम करने में सक्रिय रूप से शामिल होंगे जैसे: फ़ॉरेस्ट अपोर्च्यूनिटीज़: सिस्टम, इंटरेक्शन, आउटकम्स, हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स ऑन फ़ॉरेस्ट राइट्स इन इंडिया

मिशन शक्ति: SHGs to SME | झारखंड और ओडिशा में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों की सफलता की कहानियां वनों और जेंडर भूमिकाओं का लोकतांत्रिक शासन|

एजेकेएमसीआरसी और आईएसबी-बीआईपीपी के बीच यह सहयोगी उद्यम अभिनव अनुसंधान, परिवर्तनकारी अनुभव और सतत विकास की दिशा में एक सामूहिक प्रयास के लिए मंच प्रदान करता है। उम्मीद है कि इस सहयोग का प्रभाव अकादमिक क्षेत्र से कहीं आगे तक प्रतिध्वनित होगा, जिसमें फ़ॉरेस्ट अर्थव्यवस्थाओं में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाने और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने की क्षमता है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया